कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B++) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:जुलाई-2026

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in

Helpline Email : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com

Contact Number : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:जुलाई-2026

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह

प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

डॉ. सुभाष चन्द्र

संयोजक

डॉ. विभा सिंह

सदस्य

सम्पादक समिति

डॉ. प्रियंका सिंह

सदस्य

सम्पादक समिति

श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव

तकनीकी सहायक

JULY-2026

कार्यक्रम-विवरण

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	12.07.2026 रविवार	महाविद्यालय	'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के साथ बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ	1
2	16.07.2026 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	हिन्दी विभाग की शोध छात्रा प्रियांशी गुप्ता का पीजीटी हिन्दी पद पर चयन, महाविद्यालय में हुआ सम्मान	2
3	24.07.2026 शुक्रवार	आई.क्यू.ए.सी.	मेदांता लखनऊ के सहयोग से व्यापक सीपीआर प्रशिक्षण सम्पन्न।	3
4	25.07.2026 शनिवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	'संस्थागत नवाचार प्रकोष्ठ' द्वारा विशिष्ट व्याख्यान	4
5	29.07.2026 बुधवार	आई.क्यू.ए.सी.	मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	5–6
6	29.07.2026 बुधवार	प्राणि विज्ञान विभाग	जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में 'द इंटरनेशनल टाइगर डे' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान	6–7
7	30.07.2026 वृहस्पतिवार	आई.क्यू.ए.सी.	मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन द्वितीय दिवस	7–8
8	31.07.2026 शुक्रवार	आई.क्यू.ए.सी.	मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तृतीय दिवस	8–9
9	31.07.2026 शुक्रवार	राष्ट्रीय सेवा योजना	"नशा मुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम	10

JULY-2026

महाविद्यालय में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के साथ बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ

दिनांक 12.07.2026 को उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाविद्यालय में बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल वृक्ष लगाना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति और मातृत्व के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध कराना भी था। इस अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को भावनात्मक संवेदना से जोड़ते हुए सभी को यह संदेश दिया कि जिस प्रकार माँ जीवन का आधार होती है, उसी प्रकार वृक्ष भी मानव जीवन एवं समस्त जीव–जगत के अस्तित्व के आधार हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह के कर कमलों द्वारा पौधारोपण कर किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की शोभा ही नहीं बढ़ाते, बल्कि मानव जीवन की निरंतरता के आधार भी हैं। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, प्रदूषण तथा प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियों का प्रभाव पूरी दुनिया पर दिखाई दे रहा है। इन परिस्थितियों में अधिकाधिक वृक्षारोपण ही पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य समाजोपयोगी कार्यों के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा, समर्पण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना है।

कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ के साथ हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने संकल्प लिया कि वे प्रकृति के संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएंगे तथा अधिकाधिक वृक्ष लगाकर पृथ्वी को हरा–भरा बनाने में सक्रिय योगदान देंगे।

JULY-2026

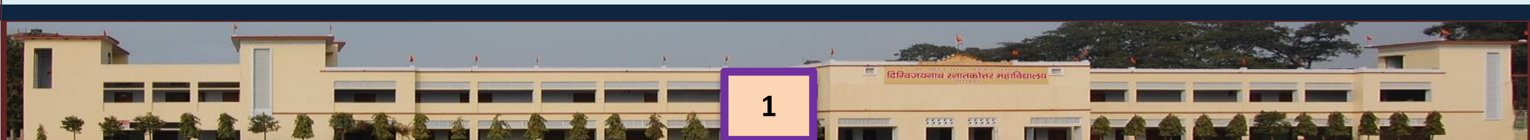

महाविद्यालय हिन्दी विभाग की शोध छात्रा प्रियांशी गुप्ता का पीजीटी हिन्दी पद पर चयन, महाविद्यालय में हुआ सम्मान

दिनांक 16.07.2026 को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण रहा। विभाग की शोध छात्रा प्रियांशी गुप्ता के दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (DSSSB) द्वारा पीजीटी (हिन्दी) पद पर चयनित होने के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह** ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रियांशी गुप्ता हिन्दी विभाग की **वरिष्ठ शिक्षिका डॉ. विभा सिंह** के निर्देशन में शोध कार्य कर रही हैं। उनके इस चयन से न केवल हिन्दी विभाग बल्कि सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। समारोह के दौरान उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनकी इस उपलब्धि का स्वागत किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि प्रियांशी गुप्ता की यह सफलता उनकी प्रतिभा, कठिन परिश्रम, अनुशासन तथा उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है।

July-2026

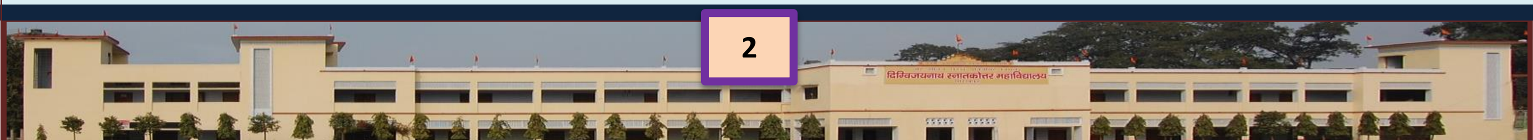

महाविद्यालय में मेदांता लखनऊ के सहयोग से सीपीआर प्रशिक्षण सम्पन्न।

दिनांक 24.07.2025 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मेदांता लखनऊ हॉस्पिटल के सहयोग से एक व्यापक सीपीआर (कार्डियो–पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे और आपातकालीन जीवनरक्षक तकनीकों का व्यावहारिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। मेदांता हॉस्पिटल के मैनेजर अमित वर्मा ने उद्घाटन में बताया कि प्रारंभिक प्रतिक्रिया, सही तरीके से किए गए सीपीआर तथा त्वरित प्राथमिक उपचार से दिल का दौरा या सांस रुकने जैसी स्थितियों में जानें बचाई जा सकती हैं। उन्होंने महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में नियमित प्रशिक्षण आयोजित करने पर बल दिया।

'रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग' एवं 'संस्थागत नवाचार प्रकोष्ठ' द्वारा विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 25.07.2026 को **'कारगिल विजय दिवस'** की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय के **'रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग'** एवं **'संस्थागत नवाचार प्रकोष्ठ'** द्वारा विशिष्ट व्याख्यान तथा प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. प्रदीप कुमार यादव, पूर्व विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीन दयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। अपने उद्बोधन में उन्होने कहा कि कारगिल के कठिन वातावरण में भारतीय सैनिकों ने विजय प्राप्त करके अद्म्य साहस, वीरता तथा शौर्य का परिचय दिया। पाकिस्तान द्वारा संचालित कारगिल संघर्ष पाकिस्तान की कुण्ठा तथा निराशा का परिणाम रहा। पूर्व के प्रत्यक्ष युद्धों में उसे सफलता प्राप्त नहीं हो पायी थी, इसलिए उसने कारगिल में छद्म युद्ध और घुसपैठ का सहारा लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए **प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** भारत से पाकिस्तान का अलग होने का मुख्य कारण अंग्रेजो की फूट डालने की नीति थी। अलग होने के बाद भारत–पाकिस्तान के मध्य सबसे बड़ी समस्या कश्मीर के विलय की बनी। जिस पर दोनो राष्ट्र अपना दावा करते हैं।

इसके साथ ही 'नवाचार प्रदर्शनी 2026' में प्रतिभाग किए गए छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र भी मुख्य अतिथि तथा प्राचार्य द्वारा वितरित किया गया।

मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 जुलाई, 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

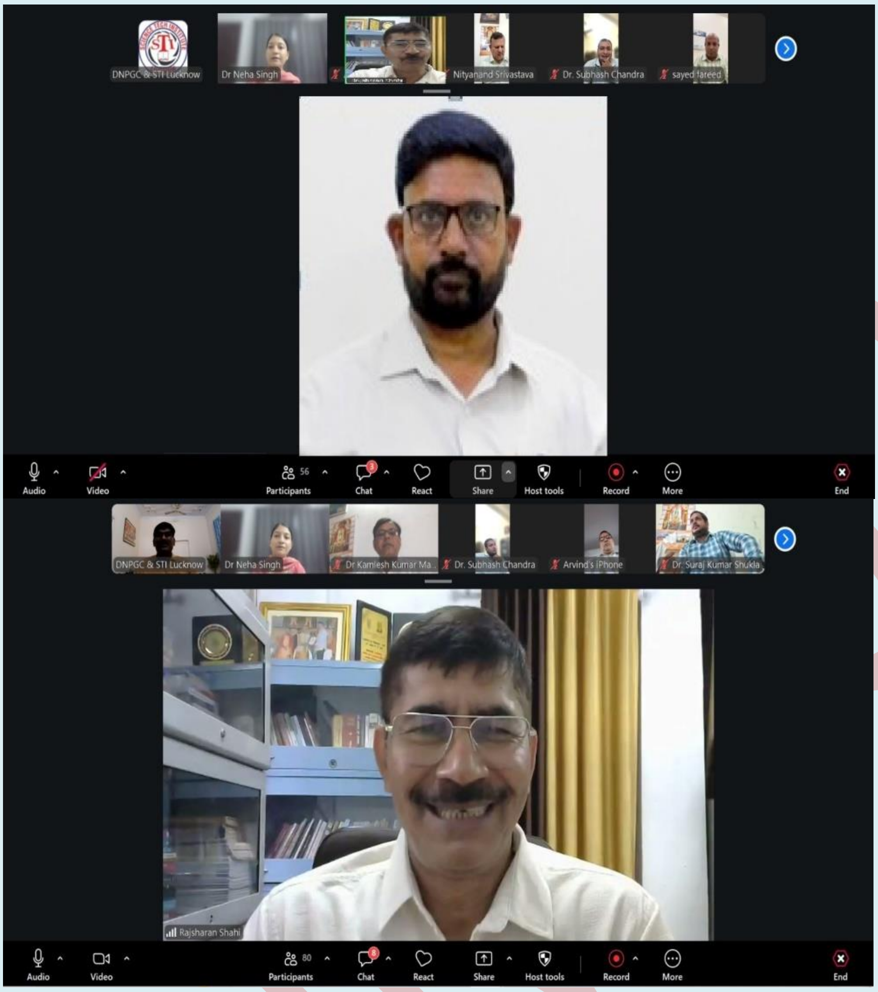

दिनांक 29.07.2026 को महाविद्यालय एवं मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 जुलाई, 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सम्मेलन का विषय "Multidisciplinary Research and Innovation–2026" रहा।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. राज शरण शाही, प्रोफेसर एवं डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति प्राचीन काल से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन, अनुसंधान एवं नवाचार पर आधारित रही है। तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविख्यात विश्वविद्यालयों ने ज्ञान, विज्ञान, गणित, चिकित्सा एवं दर्शन के क्षेत्र में विश्व को अमूल्य योगदान दिया है।

सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर ने मुख्य अतिथि सहित भारत एवं विभिन्न देशों से जुड़े शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने आयोजन समिति एवं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता इस सम्मेलन को और अधिक सार्थक बनाती है तथा बहुविषयक ज्ञान एवं नवाचार के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मेलन बौद्धिक आदान–प्रदान, सहयोगात्मक शिक्षा और नवीन शोध चिंतन के लिए एक प्रभावी मंच सिद्ध होगा।

कार्यक्रम संयोजक एवं आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन ज्ञान–साझाकरण, अकादमिक संवाद तथा सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है। यह विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के मध्य ऐसे नेटवर्क विकसित करने का अवसर है, जो भविष्य में नवाचार एवं अनुसंधान–आधारित विकास को गति प्रदान करेंगे। इस अवसर पर प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव, प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. पवन पाण्डेय, डॉ. शुभ्रांशु सिंह, डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. सूरज शुक्ला, श्री वृजेश विश्वकर्मा, श्री अश्वनी श्रीवास्तव, श्री शुभम पाण्डेय सहित भारत एवं विभिन्न देशों के लगभग 132 शिक्षकों, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता की।

प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 'द इंटरनेशनल टाइगर डे' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 29.07.2026 को महाविद्यालय कालेज, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 'द इंटरनेशनल टाइगर डे' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

JUN-2026

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एस.एम. कालेज, भागलपुर के प्राणी विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रो. डॉ सारिका सिंह थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस दिवस का उद्देश्य इस खूबसूरत और महत्वपूर्ण प्राणी के संरक्षण की ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करना है। साल 2010 में एक सर्वे के अनुसार जंगली बाघों की संख्या में 95 प्रतिशत की कमी आई थी जो कि एक खतरे की घंटी है। हालांकि हाल ही में भारत में बाघों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने आगे बताया कि बाघ खाद्य श्रृंखला में उच्च उपभोक्ता है जो अपने शिकार और वनस्पति के मध्य संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने बाघों के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है जो मजबूती और स्फूर्ति का प्रतीक है। **महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी कोऑर्डिनेटर और वनस्पति विज्ञान के प्रो. परीक्षित सिंह ने कहा** यह एक कीस्टोन प्रजाति है और यदि इसकी संख्या कम हुई तो अन्य प्रजातियां भी विलुप्त हो सकती हैं।

कार्यक्रम के सह–उपसंयोजक डॉ. हिमांशु यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में डॉ निधि राय, प्रभारी शिक्षाशास्त्र विभाग व एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. प्रतिमा सिंह, प्रभारी रसायनशास्त्र विभाग, डॉ. रमाशंकर यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर (रसायनशास्त्र), डॉ. मनीष श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर (रसायन शास्त्र), डॉ. कंचनलता सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर (रसायनशास्त्र), डॉ राजेश सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर (रसायनशास्त्र) उपस्थित रहें।

महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के द्वितीय दिवस

दिनांक 30.07.2026 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय

सम्मेलन के द्वितीय दिवस का आयोजन वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार विषयक सारगर्भित व्याख्यानों तथा तकनीकी सत्रों के साथ सम्पन्न हुआ।

सम्मेलन की मुख्य वक्ता डॉ. नेहा सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जे.एन.एम. मेडिकल कॉलेज, रायपुर थी। उन्होने ''वैज्ञानिक दृष्टिकोण में मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एवं इनोवेशन'' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जटिल स्वास्थ्य समस्याओं, उभरते संक्रामक रोगों, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस तथा व्यक्तिगत चिकित्सा जैसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान केवल बहु–विषयक अनुसंधान के माध्यम से ही संभव है।

मुख्य व्याख्यान के उपरांत आयोजित तकनीकी सत्रों में देश एवं विदेश से जुड़े लगभग 70 शिक्षकों तथा 100 शोधार्थियों ने अपने शोध–पत्र प्रस्तुत किए। विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत शोध कार्यों में वैज्ञानिक नवाचार, सतत विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी तथा सामाजिक अनुसंधान से संबंधित नवीन आयामों पर व्यापक चर्चा हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर ने मुख्य वक्ता सहित भारत एवं अन्य देशों से जुड़े शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि बहु–विषयक अनुसंधान वर्तमान समय की आवश्यकता है।

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ICMR-2026 का सफल समापन, उत्कृष्ट शोधकर्ताओं एवं शिक्षकों को विभिन्न पुरस्कारों से किया गया सम्मानित

दिनांक 31.07.2026 को महाविद्यालय एवं साइंस–टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ (मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी, लखनऊ द्वारा संचालित) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (ICMR–2026)' का शुक्रवार को

JULY-2026

सफलतापूर्वक समापन हुआ। सम्मेलन के अंतिम दिवस का शुभारम्भ उत्कृष्ट शोध कार्य करने वाले शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के सम्मान समारोह से हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट शोध एवं प्रस्तुतीकरण के लिए विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया,इसी क्रम में दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर के छः शिक्षक भी बेस्ट फैकल्टी एवं बेस्ट रिसर्चर अवार्ड से सम्मानित हुए।

सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्रों एवं शोध कार्यों के मूल्यांकन के उपरांत सर्वश्रेष्ठ युवा शोधकर्ता (Best Young Researcher), सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता (Best Researcher), सर्वश्रेष्ठ युवा वैज्ञानिक (Best Young Scientist), बेस्ट फैकल्टी, बेस्ट यंग फैकल्टी, सर्वश्रेष्ठ निदेशक (Best Director), बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन तथा बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन सहित विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए।

सम्मेलन संयोजक डॉ. परीक्षित सिंह ने तीन दिवसीय सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि सम्मेलन में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने बहुविषयक शोध, नवाचार, विज्ञान, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा उभरती तकनीकों से संबंधित समकालीन विषयों पर अपने विचार एवं शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुल 154 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए, जिनमें शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के विशेषज्ञों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

सम्मेलन के संरक्षक एवं दिग्विजय नाथ पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, गोरखपुर के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने तीन दिवसीय सम्मेलन के सफल आयोजन पर सभी आयोजकों, विशेषज्ञ वक्ताओं, शोधकर्ताओं एवं प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दिया।

July-2026

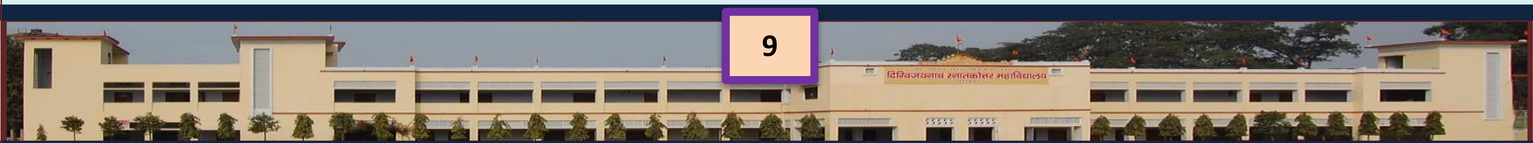

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''नशा मुक्त भारत अभियान'' के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 31.07.2026 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''नशा मुक्त भारत अभियान'' के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा स्वस्थ, सशक्त एवं नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प दिलाना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य समन्वयक, लखनऊ डॉ. मंजू सिंह रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. सतपाल सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने की, जबकि मंच संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र कुमार पाण्डेय ने प्रभावशाली एवं गरिमामय ढंग से किया। अतिथियों का स्वागत राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. संजय त्रिपाठी, डॉ. सरिता सिंह एवं डॉ. रवीन्द्र कुमार द्वारा पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। **मुख्य अतिथि डॉ. मंजू सिंह ने उपस्थित स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों को ''नशा मुक्त भारत'' का संकल्प दिलाते हुए कहा कि** राष्ट्र का भविष्य युवा शक्ति के हाथों में है। यदि युवा वर्ग नशे से दूर रहेगा, तभी एक स्वस्थ, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव होगा। **विशिष्ट अतिथि प्रो. सतपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि** नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास को भी प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। **अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा** का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि उत्तम चरित्र एवं श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण करना भी है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति की प्रतिभा, ऊर्जा एवं भविष्य को नष्ट कर देता है।

JULY-2026